

## ? क्या दशकों की निष्ठा इतनी कच्ची होती है ?

एक बड़े नेता जो उनके अनुसार **ARTEE** को बचाने के लिए कोर्ट में भी चले गए, ने **ARTEE** से रिजाइन कर दिया दूसरी एसोसिएशन, जिसके वो जीवन भर विरोधी रहे, को अपना लिया। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं चुकी पिछले तीन साल से ये नेता व इनके समर्थक परोक्ष रूप से उसी **Association** के विचारों का ही समर्थन करते रहे हैं। यहाँ तक की इन लोगों ने कोर्ट केस भी उनके साथ ही किये।

**ACP** पटना व रिकवरी के मुद्दे हमारे लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं चुकी इन दो मुद्दों को छोड़कर हम और सभी मुद्दों जैसे **EA(5K)**, **Tech(4K)**, **Tech vs LA**, **Merger** इत्यादि सभी विषयों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है और ये सभी मुद्दे **solve** होने जा रहे हैं,

**EA(5k)** तो पूरी तरह से **solve** भी हो चुका है। हमारे **EA(5k)** सदस्यों को **6500-10500** का **scale** लाखों रुपये के **Arrears** के साथ मिल चुका है और सब बहुत खुश हैं। ध्यान दे **12** साल की लड़ाई के बाद सिर्फ **6** लोगों को मिला वो भी लगभग सात लाख से अधिक खर्च करने के बाद।

हमने **2014** में **6** लोगों को मिलने के बाद सबको दिलाने के लिए केस किया और **10** माह के भीतर **450** लोगों को **Arrears** के साथ दिलाने में सफल रहे।

क्या एक **15** साल पुराने **EA(5K)** मुद्दे का **solve** होना **achievement** नहीं है ?

तो इन दोनों मुद्दों **ACP** व **Recovery** पर सदस्यों की भावनाओं को भड़काने के काफी प्रयास किये गए। हालाँकि यह प्रश्न प्रासंगिक है की जो लोग हमसे प्रश्न करते हैं सत्ता में रहते हुए उनका इन विषयों में क्या योगदान रहा है।

**ACP** पटना के मुद्दे पर हमसे पहले क्या हुआ ये बताने की आवश्यकता नहीं है। किस तरह से पटना के **एँप्लिकैट्स** को अपमानित किया गया और किसने किया यह सब जानते हैं।

रिकवरी का **issue** क्यों पैदा हुआ ?

**Up gradation** का शब्द किसके समय में और क्यों आया ? इसके लिए कौन उत्तरदायी है ? क्यों **Up gradation** को **15** साल तक **challenge** नहीं किया गया ?

लोग ये कहते हैं की तब **Association** बहुत मजबूत थी और **department** की हिम्मत नहीं हुई **Recovery** करने की। यानी हम इन्तेजार करते रहे की जब **department Recovery** करेगा तब चैलेंज करेंगे। क्या लचर सा तर्क है।

**MACP** को प्रसार भारती से लेने के बाद **Ministry** से **approve** क्यों नहीं करवाया गया ? हम ये जानना चाहते हैं की जब **ARTEE** so called बहुत **strong** थी तब ये सब मुद्दे क्यों नहीं सुलझा लिए गए।

ACP 1999 में आई थी तब से 2014 तक वो ही लोग सत्ता में थे। जो आज मुझे ACP न दिला सकने के लिए दोषी ठहराते हैं वो लोग 14 साल में ACP क्यों नहीं दिला पाये ? यहाँ तक की जब हम शक्तिशाली NFADE को चला रहे तब भी हम आरती का कोई इशू solve नहीं करवा पाये।

लोग यह भी कहते हैं की Association का काम कोर्ट cases करना नहीं बल्कि organizationally प्रयास करके issue solve करना है। ठीक बात है मगर ये भी तो बताइये की आज तक organizationally हमने कितने मुद्दे solve करवाये। यहाँ मैं ARTEE के मुद्दों की बात कर रहा हूँ।

आज तक का Organizationally सबसे बड़ा achievement 25/2/1999 का Up gradation है जो की हम सब के लिए अभिशाप बना हुआ है हालांकि उसके पीछे भी Rajshekharan केस है।

जो लोग आज कोर्ट cases पर सवाल उठा रहे हैं उनको एक और आइना दिखाना चाहता हूँ।

सब जानते हैं की हम Tech की LA को 1983 से 1995 तक 4500-7000 और इसके corresponding scales दिलाने के लिए दोनों Associations प्रयास कर रही थी। ARTEE इस केस में सर्वाधिक प्रभावशाली नेतृत्व के बावजूद कैट, हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में हार चुकी थी।

दूसरी Association notional लेने को agree करके हाई कोर्ट चेन्नई में जीत चुकी थी। दोनों association के presidents NFADE के Chairmen व Secretary General थे। ये लाभ notionally देने के लिए Financial implication सिर्फ 36 लाख रुपये था।

जरा ध्यान दीजिये आज जो लोग मुझे दोष देने का कोई अवसर नहीं छोड़ते उस समय दोनों बड़े नेता पूरी ताकत लगा कर सिर्फ 36 लाख के फाइनेंसियल इम्प्लिकेशन वाले issue को भी Organizationally लागू नहीं करवा सके जब की दोनों Associations सो called ताकतवर थी, NFADE भी हमारे हाथ में था। इस समय अपनी Capability क्यों नहीं दिखाई। जरा अपने गिरेबां में भी झांक लीजिये।

अब जरा इस term की ओर आइये। शुरुआत से ही कुछ लोगो ने जैसे saughandh सी ले ली थी की हमें काम नहीं करने देना है। Actually ऐसे लोग हम नहीं तो कोई नहीं की शैली पर काम करते हैं और अपने आपको सदैव पोस्ट पर रहने का जन्मसिद्ध अधिकारी समझते हैं। इस बार तो हद ही हो गई।

चुनाव के विवाद पर आज तक कोई कोर्ट में नहीं गया था। लेग पुलिंग की हद हो गई जब हाई कोर्ट में एक के बाद एक दो कोर्ट केस फ़ाइल किये गए। कोई ये बताये की ये केस क्यों फ़ाइल किये गए ? इनके लिये पैसे कहा से आये ? इन कोर्ट case से ARTEE को क्या फायदा हुआ ?

ARTEE के चुनावो के परिणाम के बारे में पहले भी असंतोष व्यक्त किया जाता रहा गई किन्तु इस सीमा तक कोई नहीं गया। कहने का तात्पर्य है की जब इस टर्म के कार्य का आकलन करे तो तरह भी

ध्यान रखना होगा की हमने किन परिस्थितियों में काम किया । Till they were in Power everything was right and when defeated they start demanding Electronic Voting. Who stopped them from implementing it?

## Personal Attacks

हर तरह के attack यहाँ तक की पर्सनल अटैक भी किये गए । मेरी कारगिल inquiry के पीछे कौन है ये बताने की आवश्यकता नहीं है । आज जो लोग Conduct Rule के Action से बचने के लिए भागे भागे फिर रहे हैं वो इसी conduct rule के violation मैं कारगिल प्रवास के दौरान मुझ पर एक्शन करवाने के लिए पूरा जोर लगा चुके हैं । अब अपने पर पड़ी तो Association ही छोड़कर चल दिए ।

### Some of the Cadre Related Issues and Matters of Concern.

- (1). **ACP PATNA:** This is one of the main grudge from us. We agree that desired output cannot be obtained despite sincere efforts, but what other Association has done for ACP Patna? Will you get ACP by joining them?
- (2). **MACP Recovery due to 25.02.1999:** What other Association has done to stop Recovery? They did not even file a case and refused to take part in the Agitation against Recovery. ARTEE, PSA and ADP3 filed Court Cases and obtained Stay. We, three Association only fighting this issue at all levels.
- (3). **EA(5K) issue:** What are their efforts ? When ARTEE Succeeded in getting it implemented for 450 Members of ARTEE they woke up and filed case. Still their 22 Members are waiting for 6500-10500 scale.
- (4). **Tech vs LA Pay Parity in 5000-8000 scale:** ARTEE filed the case in December 2014. The implementation was pending as the matter was subjudice in Ashok Yadav case which was filed by Individuals with the help of resigned leaders.

Other Association filed the case only in May 2016 when they saw their Member started joining ARTEE. Now this is in final stage of implementation.

- (5). **Tech(4k) for 4500-7000 scale:** ARTEE took up the issue and filed case in April 2015. With the efforts of ARTEE the issue was cleared by the Department of legal Affairs. As per this advice Hon'ble MIB filed an Affidavit in CAT Delhi that they are ready to implement it.

Other Association filed Case in April 2016. This issue is also on the final stage of implementation.

- (6). **Helper ACP Case:** Both Associations filed case jointly, but other Association has not paid their due to us. Government filed Writ Petition in Hon'ble High Court Delhi. ARTEE hired a very senior and experienced Advocate, but other Association till today has not appointed any Advocate.
- (7). **EA/SEA Merger:** What they have done to stop the merger of EA and SEA in 4200 GP with Designation Junior Engineer. ? It was stopped due to ARTEE only.

- (8). **GP 5400 to AEs on completion of 4 yrs. of service:** What are their efforts. Only ARTEE took up the issue and filed the case.
- (9). **Issue of Recovery of 3<sup>rd</sup> MACP to Sr.Tech:** Only ARTEE took up the issue and filed the case.
- (10). **SEA to AE Promotions:** Only ARTEE regularly pursuing the issue.
- (11). **AE to ADE promotions:** Only ARTEE took up and pursuing the issue and this issue is in not there even in the agenda of other Association.
- [12]. **7<sup>th</sup> CPC:** It was ARTEE who took initiative to track the progress of implementation and funding for the timely implementation. As a result 7<sup>th</sup> CPC is implemented for us along with all other Central Government Employees.
- [13]. **Selling of Assets on the name of Monetising:** ARTEE thwarted the attempt to sell lands and assets of Kingsway Camp, Malad Mumbai etc.
- [14]. **Funding after March 2017:** We all know that as per the earlier decision of Hon'ble GOM, funding for salary and salary related expenses from Grant in Aid will end in March 2017. We took up the issue with Prime Minister's Office and submitted a detailed letter demanding direct and complete funding to AIR & DD. The letter was prepared on the basis of considering the funding to World's leading Broadcasters and the necessity of funding considering the media scenario in the Pre / Post globalization scenario. We have been informed that our Petition has been forwarded to Hon'ble Ministry of I & B with positive comments. We know that Hon'ble MIB is preparing a proposal which will be sent to Cabinet. ARTEE is the only Association which taken up this very important issue, which is affecting all the employees ir-respective of association and cadre.
- [15]. **Tribal Allowance:** All employees posted in notified tribal Areas must get Tribal Allowance as per DoEXP order, but it implemented only in some stations and not in all stations. We raised the issue and succeeded in getting letter issued by DG(DD). We are trying to get the similar order issued by DG(AIR). This will benefit all Employees of all Associations.

There are many other issues on which we have worked and are working. There have been many issues on which ARTEE has always been on fore front and it will be always.

### **WHAT OTHERS CAN NOT EVEN THINK ..... ARTEE CAN DO**

In last one year around 1000 Members switched their loyalty to ARTEE. Today our strength as per CCS (RSA) data has crossed 7800+. These are the facts. There was no alternative to ARTEE in the past, there is none today and there will not be any alternative to ARTEE tomorrow also.

स्पष्ट है की इन नेताओ का एसोसिएशन छोड़ना मुद्दे पर आधारित नहीं बल्कि व्यक्तिगत है और ARTEE में अप्रासंगिक हो जाना है। Court में गए थे किन्तु वहा भी मामला लंबा खिंच रहा है परिणामस्वरूप कुंठाग्रस्त होते जा रहे हैं। क्या पद पर नहीं होने की कुंठा इतनी बड़ी है की सारी उम्र ARTEE में रहे और रिटायरमेंट पर आकर निष्ठा बदल ली। यह निर्णय पूरी तरह से राजनीतिक व व्यक्तिगत है। कुछ और लोग भी इनके बहकावे में आकर पाला बदल सकते हैं।

**Dear Members, is there any better option than ARTEE?** We are of the view that if such leaders, who unofficially working for other Association and whose loyalty towards ARTEE is doubtful are leaving ARTEE, let them go. We have no hesitation to declare that if some leaders, whose soul is already with other Association since three years want to leave ARTEE, let them go.

All ARTEE Members are cautioned against falling in ill intended propoganda of some leaders who changed their loyalty at the fag end of their service, just because of their failure in creating chaos one after another.

**ARTEE will be United and Strong with You,  
Without You, and Despite You.  
Mother ARTEE will be Happy to get rid of such Unfaithful Sons**

**ARTEE ZINDABAD  
LONG LIVE ARTEE ..... ARTEE ZINDABAD**